घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course)**: लोकसाहित्य**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course): **MHES101**
3. **क्रेडिट (Credit): 4**
4. **सेमेस्टर (Semester): प्रथम (ऐच्छिक)**
5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):** प्रस्तुत पाठ्यचर्या द्वारा लोकसाहित्य की अवधारणा स्पष्ट होगी और विद्यार्थियों की लोकसाहित्य एवं लोक परम्पराओं में रुचि जाग्रत होगी और अपने लोक के साथ जुड़कर उसका सम्यक् अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी लोकसाहित्य का परिचय प्राप्त करेगा। लोक की अवधारणा की समझ विकसित हो सकेगी।
कौशल/दक्षता संबंधी	लोकसाहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। लोक के विभिन्न रूपों से परिचय प्राप्त कर भारतीय लोक परंपराओं से तादात्म्य स्थापित कर सकेगा।
रोज़गार संबधी	लोक साहित्य से जुड़ी अनेक संस्थाओं में अपनी विशेषज्ञता को प्रदर्शित करना। लोक कलाओं के प्रदर्शन से आजीविका के अवसर खुलेंगे और लोक सहित्य के अध्यापन कार्य में देश-विदेश में सहयोग कर सकेगा। लोकसाहित्य के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय एकता को समझते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में योगदान दे सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)****			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**लोक** लोक की अवधारणा, पहचान एवं अर्थ, लोकदृष्टि लोक संस्कृति लोक साहित्य लोक ज्ञान (घाघ, भड्डरी) साहित्य और लोक का अन्तःसम्बन्ध लोकधर्म-लोक मान्यताएं लोकसाहित्य के अध्ययन	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**

	की समस्याएं					
माड्यूल-2	**लोकगीत** लोकगीत का स्वरूप एवं परिभाषा लोकगीत के तत्व लोकगीत और लोकचेतना लोकगीत और लोकसंवेदना लोकगीतों के विविध रूप उपासना संबंधी गीत संस्कार गीत श्रमगीत त्योहार गीत ऋतुगीत जाति गीत	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
माड्यूल-3	**लोककथा** लोककथा का स्वरूप लोककथा के तत्व व्रत कथा परीकथा लोकगाथा का स्वरूप लोकगाथा के तत्व राजा भरथरी सदा विरछ सारंगा लोक कहावतें पहेलियाँ	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
माड्यूल-4	**लोकनाट्य** लोकनाट्य: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप लोकनाट्य के तत्व लोकनाट्य: संगीत लोकनाट्य: विविध रूप राम लीला रास लीला ख्याल नौटंकी दशावतार विदेसिया	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**

	तमाशा					
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण, दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	**1.** उपाध्याय डॉ. कृष्ण देव, लोक संस्कृति की रूपरेखा : इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन , **2.** उपाध्याय डॉ. कृष्ण देव, लोक साहित्य की भूमिका, इलाहाबाद, साहित्य भवन. **3.** गौतम, सुरेश.भारतीय लोकसाहित्य कोश, नई दिल्ली, संजय प्रकाशन, 2010 **4.** त्यागी, सुरेश चन्द्र. लोक साहित्य **5.** त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण, 2001.भारतीय लोकनाट्य, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन **6.** पाण्डेय, कमलनयन.लोकसाहित्य का समाजशास्त्र, इलाहाबाद, आस्था प्रकाशन, 2007 **7.** मिश्र, विद्या निवास. लोक और लोक का स्वर, दिल्ली, प्रभात प्रकाशन, **8.** मिश्र, विद्या निवास. वाचिक कविता भोजपुरी **9.** सिंह, चन्द्रबली. लोक दृष्टि और हिंदी साहित्य: दिल्ली, पीपुल्स लिटरेसी,1980 **10.** द्विवेदी, मनीषकुमार, भारतीय साहित्य एवं कला में दशावतार.वाराणसी, कला प्रकाशन, 2009 **11.** सत्यार्थी, देवेंद्र (2013). लोक प्रबंध, संपादक प्रकाश मनु, नई दिल्ली राष्ट्रीय पुस्तक न्यास. **12.** सत्येंद्र डॉ., लोक साहित्य विज्ञान
3	ई-संसाधन	आई. सी. टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course) **: प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course) : **MHES102**
3. **क्रेडिट** (Credit) : **2**
4. **सेमेस्टर** (Semester) : **प्रथम (ऐच्छिक)**
5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य से परिचित कराना है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5+5=10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्यिक एवं नैतिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	30

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

कौशल/दक्षता संबंधी	प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य की परम्परा और निरंतरता को समझने में दक्ष हो सकेंगे।
रोज़गार संबधी	अध्यापन एवं शोध के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर सुलभ हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**प्राकृत भाषा और साहित्य** ● प्राकृत भाषा का उद्भव और विकास ● प्राकृत साहित्य और साहित्यकार	**4**	**1**	**1**	**6**	**25%**
माड्यूल-2	**प्राकृत साहित्य** ● आचारांग सूत्र (चयनित अंश- उपधान श्रुत : नवम अध्ययन, प्रथम उद्देशक - 41, 47 एवं 61 द्वितीय उद्देशक – 65, 68, 70 एवं 72 तृतीय उद्देशक – 92 चतुर्थ उद्देशक – 99 एवं 102)	**6**	**2**	**1**	**9**	**25%**
माड्यूल-3	**अपभ्रंश भाषा और साहित्य** ● अपभ्रंश भाषा का उद्भव और विकास ● अपभ्रंश साहित्य और साहित्यकार	**4**	**1**	**1**	**6**	**25%**
माड्यूल-4	**अपभ्रंश साहित्य** ● पउमचरिउ (चयनित अंश- 28वीं संधि - 28.1, 28.2 एवं 28.3)	**6**	**2**	**1**	**9**	**25%**
योग		**20**	**6**	**4**	**30**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि तथा तुलनात्मक प्रविधि
तकनीक	आई.सी.टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जीपाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग, चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण, प्रोजेक्टर माध्यम का उपयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो कॉपी, वीडियो माध्यम/लिंक आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र .सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण APA प्रारूप में
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. आचारांग चयनिका- डॉ. कमलचंद सोगाणी, प्राकृत भारती, जयपुर 2.पउमचरिउ- स्वयंभू
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, डॉ. सुनीतिकुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली. 2.प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका साहित्य पर प्रभाव, डॉ. रामसिंह तोमर, हिंदी परिषद्, प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयाग.

		3.हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. अपभ्रंश और अवहट्ट: एक अंतर्यात्रा, डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय, चौखम्बा पब्लिशर्स, बनारस.
3	ई -संसाधन	ई पुस्तकालय.कॉम
4	अन्य	--

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	सर्जनात्मक कौशल का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course)**: सर्जनात्मक लेखन**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course):**MHES201**
3. **क्रेडिट (Credit) : 4**
4. **सेमेस्टर (Semester):द्वितीय**
5. **पाठ्यचर्या विवरण (**Description of Course)**:** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को सर्जनात्मक लेखन के प्रति प्रेरित करते हुए सर्जनात्मक लेखन के मूलभूत तत्वों से परिचित कराना है।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)**

ज्ञान संबंधी	सर्जनात्मक लेखन पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी सर्जनात्मकता के प्रति प्रेरित होकर अपनी सर्जनात्मक क्षमता को विकसित करेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी सर्जनात्मकता के तत्वों से परिचित होते हुए आगे चलकर साहित्य को समृद्ध करने हेतु अपना योगदान देने में भी सक्षम होंगे।
कौशल / दक्षता संबंधी	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थियों में सर्जनात्मक कौशल के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व का भी विकास होगा। कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि जैसी विधाओं के लिए कौन-कौन से घटक अनिवार्य हैं? यह सीख सकेंगे।
रोज़गार संबंधी	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्य और कला के क्षेत्र में रोज़गार के विभिन्न अवसर तलाशने में सफल होंगे।

7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents oftheCourse)**:

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(** Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**लेखन का सैद्धांतिक परिचय** ● सृजनात्मक लेखन : अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व ● केंद्रीय संवेदना का विस्तार ● रचना प्रक्रिया	12	03	.....	15	25%
मॉड्यूल-2	**रचना का उद्देश्य**	12	03	.....	15	25%

	• सृजनात्मक उद्देश्य की पूर्ति • रचना का विकास • विषयवस्तु का निर्धारण • रचना की समाप्ति • रचना का आरंभ					
मॉड्यूल-3	**विभिन्न विधाओं का लेखन** • कथा • नाटक • कविता • गीत • निबंध	12	03	.....	15	25%
मॉड्यूल-4	**रेडियो लेखन** • फीचर • रेडियो रूपक • वार्ता **पटकथा लेखन** • पुस्तक समीक्षा • साक्षात्कार	12	03	.....	15	25%
योग		**48**	**12**	**00**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई .पी. जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

प्राप्ति								

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.हरीश अरोड़ा, सृजनात्मक लेखन, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली 2. रमेश गौतम(सं.), माधुरी सुबोध, राजेंद्र गौतम, प्रभात रंजन,रचनात्मक लेखन,भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 3. धीरेन्द्र वर्मा (सं.), हिंदी साहित्य कोश भाग 1, ज्ञान मंडल, वाराणसी 4. सिद्धनाथ कुमार, रेडियो नाटक, नई दिल्ली 5.डॉ. हरिमोहन, साहित्य विधाओं की अन्तःप्रकृति
2	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा /ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5+5=10
व्यावहारिक/प्रयोगशालास्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course)**: साहित्य और सिनेमा**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course): **MHES202**
3. **क्रेडिट (Credit): 2**
4. **सेमेस्टर (Semester):द्वितीय (ऐच्छिक)**
5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंधों को समझना और माध्यम रूपान्तरण के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष को जाननासमझना है।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंधों को समझेगा। साहित्य की रचना प्रक्रिया और सिनेमा की निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करेगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	माध्यम रूपान्तरण के सैद्धांतिक और तकनीकी पक्ष की बारीकी को जानने-समझने से उसके कौशल में वृद्धि होगी।
रोज़गार संबधी	फिल्म निर्माण के क्षेत्र में विविध प्रकार के रोज़गार के अवसर मिलेंगे।

7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध** ● स्वरूप ● विशेषताएँ एवं सीमाएं ● साहित्य रचना और सिनेमा निर्माण प्रक्रिया का तुलनात्मक मूल्यांकन	5	1	1	7	
माड्यूल-2	**हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास** ● स्वतंत्रता पूर्व सिनेमा का इतिहास ● स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा की यात्रा	5	--	--	5	

	• समकालीन हिंदी सिनेमा					
माड्यूल-3	**माध्यम रूपान्तरण : प्रक्रिया, प्रविधि एवं सीमाएं** • सैद्धांतिक पहलू • तकनीकी पक्ष • माध्यम रूपान्तरण की चुनौतियाँ	5	1	--	6	
माड्यूल-4	**चयनित हिंदी साहित्यिक कृतियाँ और उन पर बनी फिल्में** • सद्गति • दामुल • रुई का बोझ	5	3	4	12	
योग		**20**	**5**	**5**	**30**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि तथा तुलनात्मक प्रविधि
तकनीक	आई.सी.टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जीपाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग, चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण, प्रोजेक्टर माध्यम का उपयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो कॉपी, वीडियो माध्यम/लिंक आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण)APA प्रारूप में(
1	आधार /पाठ्य ग्रंथ	**साहित्यिक रचना :** सद्गति (कहानी), प्रेमचंद कालसूत्र(कहानी),शैवाल गवाह गैर हाज़िर (उपन्यास), चंद्रकिशोर जायसवाल **फिल्में:** सद्गति, निर्देशक -सत्यजीत राय,1981 दामुल, निर्देशक -प्रकाश झा, 1985 रुई का बोझ, निर्देशक -सुभाष अग्रवाल, 1997
2	संदर्भ	अग्रवाल, प्रह्लाद .(संपादक). (2009). हिन्दी सिनेमा बीसवीं से इक्कीसवीं सदी तक. इलाहाबाद :साहित्य भंडार जोशी, मनोहर श्याम. (2000). पटकथा-लेखन एक परिचय. नई दिल्ली :राजकमल प्रकाशन. पारख, जवरीमल्ल. (2001). लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ. नई दिल्ली : अनामिका प्रकाशन ब्रह्मात्मज, अजय. (2006). सिनेमा समकालीन सिनेमा. नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन. कुमार, हरीश .(1998) .सिनेमा और साहित्य .संजय प्रकाशन . भण्डारी, मन्नू. (2004). कथा-पटकथा. नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन. माथुर, श्याम. (2013). सिनेमा का सफ़र. जयपुर राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी मिश्र,राजेंद्र.(2008). दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन. नई दिल्ली :तक्षशिला प्रकाशन . रज़ा,राही मासूम. सिनेमा और संस्कृति. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन. हसन, रयाज़. (2013). सिनेमा :उद्भव और विकास. चांदपोलबाज़ार, जयपुर : खंडेलवाल पब्लिशर्स एंडडिस्ट्रीब्यूटर्स

		मिश्र, विजय कुमार .हिंदी साहित्य और सिनेमा :रूपान्तरण के आयाम .दिल्ली :शिवालिक प्रकाशन . फिल्में : उमराव जान .(1981), निर्माता व निर्देशक -मुजफ्फर अली तीसरी कसम .(1966), निर्देशक -बासु भट्टाचार्य रजनीगंधा .(1974). निर्देशक- बासुचटर्जी दुविधा. (1973), निर्देशक- मणि कौल सूरज का सातवाँ घोड़ा .(1992), निर्देशक- श्याम बेनेगल शतरंज के खिलाड़ी (1977), निर्देशक- सत्यजीतराय मोहनदास .(2009), निर्देशक- मजहर कामरान गरम हवा (1974), निर्देशक- एम. एस. सथ्यू
3	ई- -संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान आदि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**12+8=20**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्यिक विवेक का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course)**: हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course):**MHES301**
3. **क्रेडिट (Credit): 04**
4. **सेमेस्टर (Semester):** तृतीय
5. **पाठ्यचर्या विवरण (**Description of Course)**:**हिंदी साहित्य के विद्यार्थी, विश्व की विभिन्न भाषाओं में रची गयी साहित्यिक संपदा से अवगत होने का एक अवसर प्राप्त करेंगे । उन्हें संसार भर की साहित्यिक-सांस्कृतिक विविधता का बोध हो पायेगा। साथ ही वे अपने साहित्यिक ज्ञान-क्षितिज का विस्तार कर पायेंगे और यह सम्यक तरीके से जान पाएंगे कि भाषा और भूगोल भले ही दूसरा हो किंतु मनुष्य के सुख-दुख, आशा-आकांक्षा और कठिनाइयां सब जगह एक समान हैं।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	विश्व साहित्य से परिचित होकर, विद्यार्थियों को अपने दृष्टि-विस्तार का अवसर मिलेगा । उनका जीवन, समाज और मनुष्यता के प्रति उदार, सहिष्णु और अधिक मानवीय दृष्टिकोण विकसित होगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	विद्यार्थी विश्व के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों से परिचित होंगे । विद्यार्थी वैश्विकता की अवधारणा से परिचित हो पाएंगे । विश्व साहित्य और संस्कृति की समझ का विकास हो सकेगा।
रोज़गार संबधी	विश्व साहित्य / साहित्य के योग्य अध्यापक के रूप मे विकसित होने का अवसर प्राप्त होगा। विदेशों में स्थिति भारतीय दूतावासों के लिए सुयोग्य कार्मिकों के रूप मे राष्ट्र–सेवा का अवसर प्राप्त होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse):

मॉड्यूलसंख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• विश्व साहित्य : परिचय, अवधारणा, महत्व और विश्व साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	कविता : • वर्ड्सवर्थ और अंग्रेजी	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**

	स्वछंदतावाद निर्धारित पाठ: (व्याख्या और विश्लेषण के लिए) वर्ड्सवर्थ: प्रभात की शोभा, हैं हम अतिशय लिप्त सदा जग की माया में • आधुनिक जर्मन कविता में रिल्के का स्थान • काव्य वैशिष्ट्य • निर्धारित पाठ: (व्याख्या और विश्लेषण के लिए), रिल्के:मेरे बिना तुम प्रभु?, निष्ठा, पतझर की शाम, तमाम दिन आज • पाब्लो नेरुदा: कविता का राजनीतिक सरोकार • निर्धारित पाठ (व्याख्या और विश्लेषण) पिता, चीले की पर्वतमाला,कविधर्म					
मॉड्यूल-3	• कहानीकार निकोलाई गोगोल और रूसी कहानी साहित्य • निर्धारित पाठ: (व्याख्या और विश्लेषण) गरमकोट • अंतोन चेखव:व्यक्ति और कहानीकार • निर्धारित पाठ (व्याख्या और विश्लेषण के लिए) : दुख • फ्रांज काफ्का और जर्मन कहानी साहित्य • निर्धारित पाठ (व्याख्या और विश्लेषण के लिए) :कायांतरण • लूशुन और चीनी कहानी साहित्य • निर्धारित पाठ (व्याख्या और विश्लेषण) :आ क्यू की सच्ची कहानी	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**

मॉड्यूल-4	उपन्यास और नाटक: • अर्नेस्ट हेमिंग्वे : व्यक्ति और उपन्यासकार • निर्धारित पाठ (व्याख्या और विश्लेषण): सागर और बूढ़ा आदमी • नाटककार बर्तोल ब्रेख्ट • निर्धारित पाठ (व्याख्या और विश्लेषण):खड़िया का घेरा	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम, संवाद प्रणाली का प्रयोग, आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान(Class- Lecture), समूह चर्चा (Group-Discussion), संवाद(Dialogue)
तकनीक	दृश्य–श्रव्य माध्यमों का उपयोग आई सी टी आधारित शिक्षण (यथावसर), श्यामपट्ट का उपयोग, चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण।
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	उपाध्याय, भगवत शरण, विश्व साहित्य की रूपरेखा, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली शर्मा, ऋषभदेव, विश्व साहित्य एवं अनुवाद : हिंदी का संदर्भ कुमार अभय, विश्व की श्रेष्ठ कहानियां, अनुकर प्रकाशन सिंह, चंद्रबली (अनुवादक),पावलो नेरूदा कविता संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली Fienstein Adam : Pablo Neruda : A passion for life ,Bloomsbury
3	ई-संसाधन	hindisamay.com, kavitakosh.org, hindinews18.com, epustakaly .com, hindi.webdunia.com आदि पर संकलित रचनाकारों से संबन्धित प्रचुर सामाग्री है, जिसका उपयोग किया जा सकता है।
4	अन्य	'नया प्रतीक' का जर्मन साहित्य पर केंद्रित अंक 'अन्यथा' का अंक सप्तपर्णी, वर्ष-2, अंक-4 (अंतोन चेखव की कहानी दुख का हिंदी अनुवाद, अनुवादक-राजकुमार 'राकेश')

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5+5= 10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्यिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	30

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course) **:प्रवासी साहित्य**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course) : **MHES302**
3. **क्रेडिट** (Credit):**02**
4. **सेमेस्टर** (Semester):तृतीय
5. **पाठ्यचर्या विवरण (**Description of Course)**:**प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य प्रवासी तथा भारतवंशी साहित्यकारों द्वारा लिखे जा रहे साहित्य का ज्ञान प्रदान करना है।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी प्रवासी साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त करेगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। विद्यार्थी प्रवासी साहित्य से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्य परंपरा में अपना योगदान से सकेगा।
रोज़गार संबंधी	विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के अध्ययन से तादात्मय स्थापित कर भारतीय एकता को समझते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दे सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूलसंख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	प्रवासी साहित्य की अवधारणा अर्थ एवं विस्तार, भारतवंशी देशों में प्रवासियों की स्थिति, यूरोपीय देशों में प्रवासियों की स्थिति, अन्य देशों में प्रवासियों की स्थिति प्रवासी और हिंदी साहित्य	5	02	01	8	
मॉड्यूल-2	भारतवंशी हिंदी साहित्य -अभिमन्यु अनत का	5	02	01	8	

	जीवन परिचय और रचना संसार उपन्यास हम प्रवासी / गांधी जी बोले थे. में से एक -रामदेव धुरंदर का जीवन परिचय और रचना संसार-पथरीला सोना -डॉ हेमराज सुंदर का जीवन परिचय और रचना संसार					
मॉड्यूल-3	योरोपीय हिंदी साहित्य -जकिया जुबैरी का जीवन परिचय एवं रचना संसार कहानी 'सांकल' -तेजेंदर शर्मा का जीवन परिचय एवं रचना संसार, कहानी 'पासपोर्ट का रंग'	5	01	01	7	
मॉड्यूल-4	अन्य देशों का हिंदी साहित्य आस्ट्रेलिया-रेखाराज वंशी 'फेयरवेल' अमरीका सुधा ओम डींगरा की कहानी 'कौन सी जमीन अपनी', अनिल प्रभाकुमार-'किस लिए',- कनाडा सुयन घई-लाश,	5	01	01	7	
योग		**20**	**06**	**04**	**30**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम, कक्षागम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित एप्प का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला सहायक

	सामग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources):

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	अवस्थी पुष्पिता सं., (2003) कथा सूरीनाम, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन, अवस्थी सं. पुष्पिता, (2012) सूरीनाम का सृजनात्मक साहित्य, नई दिल्ली, साहित्य अकादेमी वर्मा, विमलेश कान्ति, (2012) फीजी का सृजनात्मक हिंदी साहित्य रचना संसार, नई दिल्ली, साहित्य अकादेमी गंभीर, सं.डॉ सुरेन्द्र प्रवासियों में हिंदी की कहानी (2017), नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ,

		गवली, डॉ कल्पना सं., (2018) प्रवासी कथा साहित्य भाग-1, कानपुर, माया प्रकाशन, आवास विकास, मायापुरम गवली, डॉ कल्पना सं., (2018) प्रवासी कथा साहित्य-भाग -2, कानपुर, माया प्रकाशन, आवास विकास, मायापुरम
2	संदर्भ-ग्रंथ	रामधारी डॉ माधुरी. सं. (2015) वसंत चयनिका भाग-2, मॉरीशस, महात्मा गांधी संस्थान मोका भोला, इंद्रदेव इन्द्रनाथ, सं. मॉरीशस (2015) में हमारे पूर्वज और उनकी संस्कृति विरासत, नई दिल्ली स्टार पब्लिकेशन्स। डींगरा, सुधा ओम, (2010) कौन सी जमीन अपनी, नई दिल्ली, भावना प्रकाशन कुमार, अनिल प्रभा, (2012) संग्रह बहता पानी, नई दिल्ली, भावना प्रकाशन शर्मा, तेजेंद्र, (2014) बेघर आँखें, नई दिल्ली, यश पब्लिकेशन्स जकिया जुबैरी, (2014) सांकल, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन राजवंशी रेखा, नई दिल्ली, किताबघर प्रकाशन सिंह सं. कुंवर पाल, प्रवासी साहित्य विशेषांक (जनवरी-2006) पत्रिका वर्तमान साहित्य. सिंह सं. कुंवर पाल, प्रवासी साहित्य विशेषांक (मई-2006) पत्रिका वर्तमान साहित्य.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला, **hindisamaya.com /** हिंदी समय.कॉम एवं यूट्यूब द्वारा ऑन लाइन वीडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षाऑनलाइन / व्याख्यान	**24**
ट्यूटोरियलसंवाद कक्षा/	**1+2+1+2=6**
व्यावहारिकप्रयोगशाला/ क्षेत्रकार्य/स्टूडियो	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	व्यक्तित्व कौशल का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Nameof the Course)**: बाल साहित्य**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course): **MHES303**
3. **क्रेडिट(Credit): 2**
4. **सेमेस्टर(Semester): तृतीय**
5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):**प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को बाल साहित्य की परंपरा, उसके सृजन की कसौटी, महत्व खासकर आज के समय में इस साहित्य की जरूरत तथा बाल साहित्य की विविध विधाओं एवं उनके रचनाकारों से परिचित कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी बाल साहित्य की रचना प्रक्रिया से परिचित होंगे तथा बाल साहित्य की भाषा एवं उसकी संवेदना को जान-समझ सकेंगे। इससे वे बाल साहित्य की परंपरा, विधाएं, उनके लेखक एवं बाल साहित्य के महत्व को भी समझेंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	बाल साहित्य से बाल मनोविज्ञान की गहरी जानकारी मिलेगी, इससे विद्यार्थियों में संवेदनशीलता का विकास होगा और वे एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रक्रिया को समझेंगे। इससे उनके अंदर साहस, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों का विकास होगा। इसके साथ ही उनकी सृजनात्मक प्रतिभा भी निखरेगी।
रोज़गार संबधी	अकादमिक जगत के अलावा स्वतंत्र लेखन, फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर मिलेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल - 1	**बाल साहित्य-** ● परिभाषा, स्वरूप एवं वैशिष्ट्य ● सृजन की कसौटी ● लेखन का महत्व	**6**	1	**--**	**7**	**23.33**%

माड्यूल -2	**बाल साहित्य की प्रमुख विधाएँ-** • बाल गीत • बाल कहानी • बाल उपन्यास • बाल नाटक एवं एकांकी • जीवनी • चित्रकथाएँ	**6**	**2**	**--**	**8**	**26.66%**
माड्यूल -3	**बाल साहित्य : विविध परिप्रेक्ष्य** • उम्र के आधार पर बाल पाठकों का वर्गीकरण • बाल साहित्य की परंपरा • प्रमुख बाल पत्र-पत्रिकाएँ	**6**	**1**	**--**	**7**	**23.33%**
माड्यूल -4	**चयनित बाल साहित्यकारों के बाल साहित्य का परिचय-** निरंकार देव सेवक, डॉ. श्रीप्रसाद, हरिकृष्ण देवसरे, शकुंतला सिरोठिया, गुणाकर मुले	6	**2**	--	8	**26.66%**
योग		**24**	**6**	**00**	**30**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम, कक्षागम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित एप्प का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला सहायक सामग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	ल क्ष्य	लक्ष्य 8

	1	2	3	4			7	
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संजय, डॉ. नागेश पाण्डेय. (2009). बाल साहित्य के प्रतिमान. लखनऊ : बुनियादी साहित्य प्रकाशन 2. संजय, डॉ. नागेश पाण्डेय. (2012). बाल साहित्य : सृजन और समीक्षा. इलाहाबाद : विनायक पब्लिकेशन 3. सिंहल, डॉ. ओमप्रकाश (सं.). (1992). हिन्दी बाल साहित्य : परंपरा और प्रयोग. नई दिल्ली : अनुराग प्रकाशन 4. भारती, जयप्रकाश. (1993). बाल पत्रकारिता : स्वर्ण युग की ओर. दिल्ली : परमेश्वरी प्रकाशन भारती, जयप्रकाश. बाल साहित्य 21वीं सदी में. अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली 5. कालरा, डॉ. शकुंतला. (2010). हिन्दी बाल साहित्य विमर्श. विभा प्रकाशन : इलाहाबाद 6. विनोद, विनोद चन्द्र पाण्डेय. हिन्दी बाल काव्य एक अविराम यात्रा. लखनऊ : व्यापार सदन 7. देवसरे, डॉ. हरिकृष्ण. बाल साहित्य रचना और समीक्षा. नई दिल्ली : शकुन प्रकाशन 8. देवसरे, डॉ. हरिकृष्ण. बाल साहित्यः मेरा चिंतन. दिल्ली : मेधा बुक्स 9. डॉ. श्रीप्रसाद. हिन्दी बाल साहित्य की रूपरेखा. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 10. बालगीत साहित्यः इतिहास और समीक्षा - निरंकार देव सेवक - उ.प्र.हिन्दी संस्थान, लखनऊ 11. श्रीवास्तव, डॉ. रमाकांत. बाल कल्याण में बालसाहित्य की भूमिका. लखनऊ : उ.प्र. हिन्दी संस्थान 12. मनु, डॉ.प्रकाश. हिंदी बाल साहित्य : नई चुनौतियाँ और संभावनाएं. दिल्ली : कृतिका बुक्स
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यू-ट्यूब पर उपलब्ध ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**20**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**6+4=10**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Nameof the Course)**: हिंदी साहित्य एवं गांधी**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Codeof the Course):**MHES401**
3. **क्रेडिट (Credit): 2**
4. **सेमेस्टर (Semester): चतुर्थ (ऐच्छिक)**
5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):**प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी गांधी के जीवन मूल्य और हिंदी साहित्य में गांधी के प्रभाव एवं उसके वैशिष्ट्य को समझ सकेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी गांधी के जीवन मूल्य और साहित्य पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान प्राप्त करेगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थियों में गांधी के व्यक्तित्व की निर्मिति की समझ विकसित होगी। वे हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में गांधी विचार की तलाश कर सकेंगे।
रोज़गार संबधी	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी गांधी मूल्य और साहित्य के अंतर्संबंध के अध्यापन की विशेषज्ञता अर्जित करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**गांधी : जीवन एवं मूल्य** • भारतीय मनीषा के पारंपरिक मूल्य • गांधी के व्यक्तित्व की निर्मिति के मूल आधार • गांधी जी के जीवन मूल्य-सत्य, अहिंसा, प्रेम, सहअस्तित्व और हृदय परिवर्तन • गांधी के आंदोलनों का सामाजिक मूल एवं प्रभाव- सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन	5	2	1	8	**25%**

	• गांधी जी के रचनात्मक कार्य					
माड्यूल-2	**गांधी और हिंदी कविता** • गांधी जी पर रचित काव्य 1. सियाराम शरणगुप्त 2. सोहनलाल द्विवेदी 3. रामधारी सिंह दिनकर 4. भवानी प्रसाद मिश्र	5	1	1	7	**30%**
माड्यूल-3	**गांधी एवं कथा साहित्य** • रंगभूमि-प्रेमचंद (चयनित अंश) • मैला आंचल-फणीश्वर नाथ रेणु (चयनित अंश) • गांधी जी बोले थे-अभिमन्यु अनत (चयनित अंश) • पहला गिरमिटिया-गिरिराज किशोर (चयनित अंश)	5	2	1	8	**20%**
माड्यूल-4	**गांधी एवं कथेतर गद्य** • पत्रमणि पुतुल के नाम-कुबेरनाथ राय • श्रेय एवं प्रेय संग्रह सेचयनित - विष्णु प्रभाकर • साहित्यमुखी से चयनित-रामधारी सिंह दिनकर • गांधी का करुण रस-पं. विद्यानिवास मिश्र	5	1	1	7	**25%**
योग		**20**	**6**	**4**	**30**	

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम, कक्षागम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित एप्प का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला सहायक

	सामग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• रंगभूमि-प्रेमचंद • मैला आंचल-फणीश्वर नाथ रेणू • गांधी जी बोले थे-अभिमन्यु अनत • पहला गिरमिटिया-गिरिराज किशोर • पत्रमणि पुतुल के नाम-कुबेरनाथ राय • श्रेय एवं प्रेय -विष्णु प्रभाकर • साहित्यमुखी - रामधारी सिंह दिनकर • गांधी का करुण रस-पं. विद्यानिवास मिश्र

2	संदर्भ-ग्रंथ	**1.** गांधी के जीवन प्रसंग, संपादक-चंद्रशेखर शुक्ल, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली **2.** गांधी मेरे समकालीन
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**20**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**5+5=10**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्यिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	30

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course) **: हिंदुस्तानी**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course) :**MHES402**
3. **क्रेडिट** (Credit):**02**
4. **सेमेस्टर** (Semester):चतुर्थ
5. **पाठ्यचर्या विवरण (**Description of Course)**:**हिंदी साहित्य के विद्यार्थी, हिंदी-उर्दू की साहित्यिक संपदा से अवगत होने का एक अवसर प्राप्त करेंगे। उन्हें हिंदुस्तान की साहित्यिक-सांस्कृतिक विविधता का बोध हो पायेगा। साथ ही वे अपने साहित्यिक ज्ञान-क्षितिज का विस्तार कर पायेंगे और यह सम्यक तरीके से जान पाएंगे कि भाषा और भूगोल भले ही दूसरा हो किंतु मनुष्य के सुख-दुख, आशा-आकांक्षा और कठिनाइयाँ सब जगह एक समान हैं।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	हिंदुस्तानी से परिचित होकर विद्यार्थियों में समाज और मनुष्यता के प्रति उदार, सहिष्णु और अधिक मानवीय दृष्टिकोण विकसित होगा।
कौशल/दक्षता संबंधी	विद्यार्थी हिंदुस्तानी के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों से परिचित होंगे। विद्यार्थी भारतीयता की अवधारणा से परिचित हो पाएंगे। हिंदुस्तानी साहित्य और संस्कृति की समझ का विकास हो सकेगा।
रोज़गार संबधी	अध्यापन के क्षेत्र में रोज़गार का अवसर प्राप्त होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• हिंदुस्तानी : स्वरूप एवं विकास • हिंदी उर्दू की साझी परम्परा	**5**	**1**	**-**	**6**	**25%**
मॉड्यूल-2	कविता : • अमीर खुसरो और हिंदी कविता निर्धारित पाठ: अ) अपनी छवि बनाई के जो	**5**	**2**	**1**	**8**	**25%**

	मैं पी के पास गई ब) जब यार देखा नैन भर (व्याख्या और विश्लेषण) ● वली और दक्खिनी हिंदी निर्धारित पाठ: अ) नाज़ मत कर तुझ अदा की कसम ब) सजन तुम सुख सेती खोलो नकाब आहिस्ता-आहिस्ता (व्याख्या और विश्लेषण) ● नज़ीर अकबराबादी और उनका काव्य निर्धारित पाठ : अ) बरसात की बहारें ब) आदमीनामा (व्याख्या और विश्लेषण) ● मिर्ज़ा ग़ालिब निर्धारित पाठ : अ) आह को चाहिए इक उम्र असर होने तक ब) हर एक बात पै कहते हो तुम कि तू क्या है स) हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी कि, हर ख्वाहिश पे दम निकले द) कोई उम्मीद बर नहीं आती (व्याख्या और विश्लेषण)					
मॉड्यूल-3	कहानी (पाठ विश्लेषण हेतु) ● चुप की दाद- अल्ताफ हुसैन हाली पानीपती ● टिटवाल का कुत्ता- सआदत हसन मंटो	**5**	**1**	**1**	**7**	**25%**

मॉड्यूल-4	कथेतर साहित्य : • इब्ने इंशा : साहित्यिक वैशिष्ट्य निर्धारित पाठ : उर्दू की आखिरी किताब (पाठ विश्लेषण) • इस्मत चुगताई : साहित्यिक वैशिष्ट्य निर्धारित पाठ : दोजखी (पाठ विश्लेषण)	**5**	**3**	**1**	**9**	**25%**
योग		**20**			**30**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम, कक्षागम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित एप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला सहायक सामग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	दीवाने-ए-ग़ालिब
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. हिंदी-उर्दू साझा संस्कृति, मुरली मनोहर प्रसाद सिंह,चंचल चौहान,कांतिमोहन **सोज** रेखा अवस्थी, प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया 2. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, एहतेशाम हुसैन 3. उर्दू भाषा और साहित्य, फिराक गोरखपुरी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ 4. उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि, कलीमुद्दीन अहमद 5. उर्दू काव्य की जीवनधारा, मुहम्मद हुसैन आजाद 6. उर्दू आलोचना : स्वरूप और विकास, पूर्णमासी राय 7. हिंदी रीति कविता और समकालीन उर्दू काव्य, मोहन अवस्थी 8. रस्साकशी, वीरभारत तलवार, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली 9. ए हाउस डिवाइडिड, अमृतराय, ऑक्सफोर्ड, दिल्ली 10. हिंदी नैशनलिज्म, आलोकराय, औरिएंट लोंगमेन, हैदराबाद 11. नजीर अकबराबादी, संपादक – प्रकाश पंडित 12. गालिबेउग्र, पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' 13. गुलेनग्मा, रघुपति सहाय 'फिराक' 14. साये में धूप, दुष्यंत कुमार 15. पहल पुस्तिका (वली दक्खिनी की कविताएं) वीरेंद्र कुमार बरनवाल
3	ई-संसाधन	hindisamay.com, kavitakosh.org, hindinews18.com, epustakaly .com, hindi.webdunia.com आदि पर संकलित रचनाकारों से संबन्धित प्रचुर सामाग्री है, जिसका उपयोग किया जा सकता है।

4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course) **: प्रयोजन मूलक हिंदी**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course) : **MHES403**
3. **क्रेडिट** (Credit):**02**
4. **सेमेस्टर** (Semester): **चतुर्थ**
5. **पाठ्यचर्या विवरण(**Description of Course) **:**इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी के महत्त्व को बताने के साथ सरकारी क्षेत्रों में प्रयोग के तरीके से परिचित करना है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	22
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	03
कौशल विकास गतिविधियाँ	---
कुल क्रेडिट घंटे	30

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी हिंदी की संवैधानिक स्थिति और व्यवहारिक उपयोगिता से परिचित होगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	हिंदी भाषा की आवश्यकता और उसका राष्ट्रीय महत्व जान सकेगा।
रोज़गार संबंधी	रोज़गार के विविध क्षेत्रों में विद्यार्थी को सहायता मिलेगी तथा स्व- रोज़गार प्राप्त हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		* व्याख्यान	* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	* संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	राजभाषा हिंदी 1. हिंदी की संवैधानिक स्थिति 2. राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा में अंतर	04	01	-----	05	16.7%
मॉड्यूल-2	कार्यालयी हिंदी 1.प्रारूपण 2.पत्र-लेखन 3. संक्षेपण					

	4.पल्लवन 5.टिप्पण 6. प्रतिवेदन 7.कार्यसूची 8. कार्यवृत्त 9.कार्यालयादेश 10. परिपत्र 11.अधिसूचना 12. आदेश	10	02	03	15	50%
मॉड्यूल-3	पारिभाषिक शब्दावली 1. स्वरूप और महत्त्व 2. निर्माण के सिद्धांत	04	01	-----	10	16.7
मॉड्यूल-4	हिंदी भाषा और मीडिया 1. आकाशवाणी 2. दूरदर्शन 3. चलचित्र 4. न्यू मिडिया फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप, यू ट्यूब	04	01	----	05	16.6 %
योग		**22**	**05**	**03**	**30**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम, कक्षागम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित एप्प का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला सहायक सामग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	प्रो.शर्मा, रामकिशोर, प्रयोजनमूलक हिंदी इलाहाबाद, श्यामा प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. डॉ. पाण्डेय, कैलाश नाथ, प्रयोजन मूलक हिंदी की नयी भूमिका, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन 2. दीक्षित, सूर्यप्रसाद, प्रयोजनी हिंदी, लखनऊ, भारत बुक सेंटर. 3. सोनटक्के, माधव, प्रयोजनमूलक हिंदी, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन. 4. डॉ.अली, मुश्ताक, प्रयोजनमूलक हिंदी, इलाहाबाद, साहित्य संगम प्रकाशन. 5. डॉ. पाण्डेय, कैलाश नाथ, हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप, इलाहाबाद, साहित्य भवन. 6. गोस्वामी, कृष्ण कुमार, प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, दिल्ली, कलिंगा प्रकाशन. 7. डॉ. पाण्डेय, कैलाश नाथ, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी, दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन.

		8. डॉ. पाण्डेय लक्ष्मीकांत, प्रयोजनमूलक हिंदी, कानपुर, आशीष प्रकाशन. 9. डॉ. रामप्रकाश, डॉ.गुप्त, दिनेश, प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं अनुप्रयोग, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन. 10. गुप्ता, सुशीला (सं.), प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन, इलाहाबाद, जय भारती प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	1. www.wikipedia.org 2. www.egyankosh.ac.in 3. www.unishivaji.ac.in 4. www.archive.mu.ac.in 5. www.youtube.com
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)